भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2177

उत्तर देने की तारीख 9 दिसंबर, 2024

सोमवार, 18 अग्रहायण 1946 (शक)

बिहार में कौशल विकास योजना

2177. श्री दिलेश्वर कामैत:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार राज्य में विभिन्न कौशल विकास योजनाओं के अंतर्गत प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या कितनी है; और

(ख) बिहार राज्य में कुशल श्रमिकों के लिए नियुक्तियों की स्थिति क्या है तथा कितने नए रोजगार सृजित हुए हैं?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) और (ख) भारत सरकार के कुशल भारत मिशन (एसआईएम) के अंतर्गत, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) विभिन्न स्कीमों अर्थात प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस) और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण स्कीम (सीटीएस) के अंतर्गत बिहार राज्य सहित देश भर में समाज के सभी वर्गों को कौशल विकास केंद्रों/संस्थानों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से कौशल, पुनर्कौशल और कौशलोन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करता है। सिम का उद्देश्य भारत के युवाओं को उद्योग संगत कौशल युक्त करके भविष्य के लिए तैयार करना है। इन स्कीमों के अंतर्गत बिहार में प्रशिक्षित कुल अभ्यर्थियों का विवरण निम्नानुसार है:

राज्य	पीएमकेवीवाई (आरंभ से 31.10.2024 तक)	जेएसएस (वर्ष 2018-19 से 31.10.2024 तक)	एनएपीएस (वर्ष 2018-19 से 31.10.2024 तक)	सीटीएस (वर्ष 2018-19 से 2023-24)
बिहार	723547	179693	15347	651401

* सीटीएस स्कीम के अंतर्गत, डेटा नामांकन के लिए है।

एमएसडीई की स्कीमों में से, पहले तीन चरणों में पीएमकेवीवाई के एसटीटी घटक के तहत नियोजन को ट्रैक किया गया था, जो कि पीएमवीवाई 1.0, पीएमकेवीवाई 2.0 और पीएमकेवीवाई 3.0 है, जिसे वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त-वर्ष 2021-22 तक कार्यान्वित किया गया है। बिहार राज्य में पीएमकेवीवाई 1.0, पीएमकेवीवाई 2.0 और पीएमकेवीवाई 3.0 में क्रमशः 12047, 112993 और 2815 उम्मीदवारों को जॉब मिली है। पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत, हमारे प्रशिक्षित उम्मीदवारों को उनके विविध कैरियर पथ चुनने के लिए सक्षम बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है और उन्हें इसके लिए उपयुक्त रूप से उन्मुख किया गया है। इसके अलावा, स्किल इंडिया डिजिटल हब जैसे विभिन्न आईटी उपकरण भी यह अवसर प्रदान करते हैं।

*****